आईआईएम रोहतक में शुरु किया स्पोर्टस मैनेजमेंट पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा, राजनीतिक व खेल संगठनों के दिग्गजों ने रखे विचार

खेलों में मार्केटिंग व विज्ञापन से बढ़ा भष्ट्राचार : नीरज

भास्कर न्यूज | रोहतक

खेल में भ्रष्टाचार के बढ़ने के कारणों पर बीसीसीआई भ्रष्टाचार विरोधी शाखा के पूर्व मुख्य सलाहकार नीरज कुमार ने बढ़ती बाजारवादी सोच को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि क्रिकेट या कबड्डी जैसे खेलों में मार्केटिंग और विज्ञापन के शामिल होने से भ्रष्टाचार की बढ़ोतरी हुई है। इस प्रकार मैनेजर के तौर पर खेल की भावना और अखंडता को बचाने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। नीरज कुमार ने इस तरह की परिस्थितियों से निपटने और क्षेत्र में जोखिमों से बचने के लिए सतर्कता बढ़ाने पर जोर दिया। ये बात नीरज कुमार ने मंगलवार को आईआईएम में स्पोर्टस मैनेजमेंट पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के शुभारंभ मौके पर कही।

विशेषज्ञों ने माना, आज खेल में प्रबंधन की सबसे ज्यादा जरूरत

सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने कहा है कि यह भाजपा सरकार की खेल नीति का परिणाम है कि जकार्ता में आयोजित एशियन खेलों में हरियाणा के खिलाडिय़ों ने अपने देश के लिए सर्वाधिक मेडल जीते है। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स में भारत ने 69 मेडल जीते है और इनमें सबसे ज्यादा 13 मेडल हरियाणा के है। ग्रोवर ने कहा कि राज्य सरकार की खेल नीति के अनुसार मैडल जीतने वालों खिलाडिय़ों को विभिन्न सुविधाओं का लाभ दिया जाएगा। खेल नीति के तहत नकद पुरस्कार के अलावा श्रेणी दो की नौकरी से लेकर एचसीएस व एचपीएस की नौकरी का प्रावधान किया गया है। ग्रोवर ने कहा कि खेल व खिलाडिय़ों को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार ने गांव स्तर पर खेल स्टेडियम बनवाए है और योगशाला भी बनाई गई है। खेल नीति के चलते ही नौजवान आज खेल के मैदान में आकर मेहनत कर रहा है। स्पोर्ट्स लेखक अयाज मेमन ने कहा कि देश में खेल का महत्व बड़े पैमाने पर बढ़ रहा है और खेल के प्रबंधकों की काफी जरूरत है।

रोहतक. आईआईएम में स्पोर्टस मैनेजमेंट पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा का शुभारंभ नीरज कुमार।

पंजाब के खेल मंत्री ने भी सराहा

पंजाब सरकार के खेल मंत्री राणा गुरमीत सिंह सोढी ने खेल के आयोजक के रूप में सावधान रहने की आवश्यकता को समझाया। इसके अलावा, आईआईएम से निकलने वाले स्नातकों की गुणवत्ता की सराहना करते हुए सोढ़ी ने कहा कि उन्हें आईआईएम से निकलने वाले खेल प्रबंधकों से काफी उम्मीद है और वे इस पाठ्यक्रम के स्नातकों को जल्द ही भारतीय खेल में बदलाव लाते हुए खने के लिए उत्सुक हैं। इसके अलावा उन्होंने खेल में उत्कृष्टता के लिए मानसिक स्थिरता के महत्व के बारे में बात की। हरियाणा राज्य मुक्केबाजी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष कुणाल करण सिंह ने कहा कि देश में खेलों की वृद्धि पिछले कुछ वर्षों में असाधारण तरीके से हुई है। ऐसे में हम पर एक संस्कृति विकसित करना है और देश के भीतर प्रतिभा को पोषित करना बड़ी जिम्मेदारी है।

खेलों की मांग स्पोर्टस मैनेजमेंट : डायरेक्टर

आईआईएम डायरेक्टर प्रो. धीरज शर्मा ने कहा, खेल उद्योग एक महत्वपूर्ण और तेजी से बढ़ता हुआ उद्योग है। समय की मांग है इसे पेशेवर बनाना और स्पोर्टस मैनेजमेंट ही इस मांग का पूरा कर सकता है। खेल प्रबंधकों से खेल के विभिन्न व्यावसायिक पहलुओं से निपटने की उम्मीद रखी जाती है और आने वाले समय में खेल और उससे जुड़े मनोरंजन के बढ़ते प्रभाव में कुशल खेल प्रबंधको की विशेष आवश्यकता होगी।

ये रहेंगे एडवाइजरी कमेटी में शामिल

आईआईएम की एडवाइजरी कमेटी में खेल के सभी मामलों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। इस कमेटी में क्रिकेटर एवं कमेंटेटर अतुल वासन, स्पोर्ट्स लेखक एवं स्तंभकार अयाज मेमन, भारतीय गोल्फर जीव मिल्खा सिंह, हरियाणा राज्य मुक्केबाजी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष कुणाल करण सिंह, भारत के पहले ब्लेड धावक मेजर डीपी सिंह, भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरेंद्र ध्रुव बत्रा, पंजाब सरकार के खेल मंत्री गुरमीत सिंह सोढ़ी, बीसीसीआई भ्रष्टाचार विरोधी शाखा के पूर्व मुख्य सलाहकार नीरज कुमार, आरएन स्पोर्ट्स मार्केटिंग के एमडी ऋषि नारायण शामिल हैं।